

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 22 हल्द्वानी सम्बत् 2083 सोमवार 2 नवम्बर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

हरि प्रदर्शनी मल्ला दुम्बर

- 74 वर्षों से अनवरत जारी है सीमान्त का यह स्मरण आयोजन
- हरि स्मारक समिति ने जीवित रखा है अपनी परम्पराओं को
- मल्ला दुम्बर प्रदर्शनी स्थल पर दिखती है ग्राम्य संस्कृति
- इस बार भी होगा ढुस्का और निकलेगी झांकी

कार्यालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. हरि सिंह जंगपांगी की याद में प्रतिवर्ष मल्ला दुम्बर में होने वाली

हरि प्रदर्शनी के लिये इस बार भी बेहद उत्साह देखा जा रहा है। हरि सिंह ज्यू की याद में होने वाले इस वृहद आयोजन का 74 साल से अनवरत जारी रहना इतिहास है। इसको लेकर क्षेत्र के सजग लोगों ने इस बार भी अपने परम्परागत आयोजन की तैयारी की है।

हरि स्मारक समिति द्वारा तीन दिवसीय आयोजन में हरि सिंह जंगपांगी सहित सीमान्त के सभी स्वतंत्रता सेनानियों व समाजसेवियों का स्मरण किया जाता है। आयोजन में परम्परागत रूप से लघु कुटीर व घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने की खास परम्परा आज भी जारी है। जिसमें ऊनी वस्त्र, खाद्यान्न, सब्जी, फल-फूल, जड़ी बूटियाँ, हस्त कला, काष्ठ कला, रिंगाल की बनी सामग्रियों के अलावा विभागों द्वारा लगाये गये स्टाल आकर्षण का केन्द्र होंगे। इस मौके पर परम्परागत सांस्कृतिक रिवाज, ढुस्का प्रदर्शन, ग्राम्य अंचल की झांकियों की तैयारी की गई है।

बताते चलें कि हरि प्रदर्शनी केवल मनोरंजन का मेला न होकर समाज को जोड़ने की दिशा में बहुत बड़ा प्रयास है जो अपने निश्चित समय पर प्रतिवर्ष जारी है। पिघलता हिमालय इसके शुरूआती दौर से पूरी तरह जुड़ा है और उन यादों को पिरोता रहा है।

जोहार महोत्सव हल्द्वानी

हल्द्वानी। जोहार सांस्कृतिक एंव वेलफेयर सोसाइटी द्वारा इस बार भी तीन दिवसीय जोहार महोत्सव का भव्य आयोजन अपनी संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चूँकि नवम्बर मास में यह आयोजन पिछले वर्षों से हो रहा है परन्तु इस बार एमबी इण्टर कालेज के मैदान पर लगातार हो रहे आयोजनों से आयोजन की तिथि को पहले किया गया।

जेएसडब्ल्यूएस हल्द्वानी द्वारा काफी श्रम के साथ इस आयोजन की रूपरेखा में तीन दिवसीय कार्यक्रमों का संयोजन किया। जिसमें लोक कलाकारों को उत्साहित करने के साथ ही अपनी बोली-भाषा, खानपान, वेशभूषा का प्रदर्शन मुख्य था। आयोजन को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन के दौरान लगाये गये स्टालों का आकर्षण भी खूब था, जिसमें पर्वतीय उत्पाद के अलावा पहाड़ के व्यंजनों का स्वाद भी। बाल व युवा वर्ग के लिये हुई प्रतियोगिताओं का अपना जोश था। बताते चलें कि जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी विगत 16 वर्षों से इस आयोजन के द्वारा अपनी उपस्थिति इस भावर में भरपूर करता रहा है।



शिखो, उत्तराखण्ड को मजाक बनाकर रख दिया है

गिरधारी-रेखा एक-दूसरे को मनाने-पटकने में माहिर हैं

उत्तराखण्ड सरकार में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य और उनके पति बरेली के कारोबारी गिरधारी लाल साहू ने जिस प्रकार उत्तराखण्ड को मजाक बनाकर रख दिया है, उसके लिये 'शिखो' ही कहा जाएगा। क्योंकि इस पर्वत प्रदेश को जिस तरह से इस जोड़े ने समझा है, उसमें इनकी अपनी चाहे कुछ लड़ाई हो, इसका बहुत बड़ा असर उत्तराखण्ड को हुआ है। सोमेश्वर सीट से विधायक और प्रदेश की मंत्री रेखा आर्य ने पदों पर रहते हुए अपनी ताकत का किस प्रकार से प्रयोग किया सब जानते हैं। इनकी ज़िद के आगे कई बार प्रशासन को भी सोचना पड़ा।



पदों पर रहते हुए रेखा ने अपनी ताकत का किस प्रकार से प्रयोग किया सब जानते हैं

इनके पद को देखते हुए गिरधारी की हिम्मत भी बढ़ती रही है। अपने घपलों में घिरे रहने वाले गिरधारी ने देहरादून से लेकर बरेली तक रैंदा है। बराबर चर्चा में रहने वाले गिरधारी साहू कभी यूपी में चर्चा का विषय होकर उत्तराखण्ड की



शरण ले लेते तो कभी उत्तराखण्ड में चर्चित होकर यूपी की शरण।

इस बार जब इनका आपसी विस्फोट खुल चुका है तो सबको समझ आ रहा है कि एक-दूसरे को मनाने-पटकने में माहिर गिरधारी उर्फ पप्पू और रेखा के



अपने घपलों में घिरे रहने वाले गिरधारी ने देहरादून से लेकर बरेली तक रैंदा है

आम जनता कोई मायने नहीं रखती। इनके द्वारा एक-दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों के बाद यह दया के पात्र बिल्कुल नहीं बन रहे हैं बल्कि इनके दिखावे का चरित्र उजागर हो रहा है। मंत्री रेखा द्वारा गिरधारी के खिलाफ मारपीट सहित

कई धाराओं में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज कराई तो गिरधारी उर्फ पप्पू ने भी उनपर 210 करोड़ की अवैध सम्पत्ति होने की बात करते हुए वीडियो जारी कर दिया। साथ ही मंत्री पद के दुरुपयोग का आरोप सहित कई बातें कह डाली।

बताया जाता है कि रेखा और पप्पू गिरधारी का अन्दरखाने झगड़ा काफी पहले सुलग चुका था। यह झगड़ा धन दौलत को लेकर था लेकिन एक-दूसरे की आड़ में आगे बढ़ते इस जोड़े ने उत्तराखण्ड की जनता को ही मजाक समझ लिया था। बीच-बीच में इनकी शेष पृष्ठ 2 पर

पिघलता हिमालय

दिलेर मेहंदी का झूमना : संस्कृति के नाम पर यही सब हो रहा है

उत्तराखण्ड के नरेन्द्रनगर में कुंजपुरी विकास मेले में दिलेर मेहंदी के झूमने पर बवाल मच गया। नाम कमा चुके इस कलाकार का नशा इस कदर था कि न तो उनसे बोला जा रहा था और न ढंग से चला जा रहा था। कार्यक्रम देख रहे वन मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर चढ़ गए और भरी सभा में दिलेर मेहंदी पर नशे का आरोप लगाते हुए फटकारा। मंत्री ने कहा- इतने बड़े गायक होकर इस तरह का व्यवहार बहुत शर्मनाक है। लाखों रुपये देकर इसलिये बुलाया गया है कि तुम जनता के साथ मजाक करो?

कलाकार का बेढंगा तरीका डांट खाने लायक ही था लेकिन सवाल यह है कि होने वाले आयोजनों में लाखों रुपये देकर कौन सी संस्कृति परोसी जा रही है। कलाकार प्रदेश का हो या बाहर का, आखिर पिछले कुछ वर्षों से यह सब क्या होने लगा है? इस आयोजन में भी पैंतीस लाख रुपये पर दिलेर मेहंदी को बुलाया गया था। मंत्री द्वारा खुली सभा में एक कलाकार को डांट-डपट के बाद दिलेर मेहंदी के पक्ष में कई बड़े कलाकारों जो चैनल व मंचों पर अपनी प्रस्तुति देते हैं, ने कहा कि 'दिलेर पा जी' नशा नहीं करते हैं बल्कि स्वास्थ्य कारणों से गाने में उन्हें दिक्कत थी। और मंत्री ने भी उन्हें खुलेआम इस तरह का बर्ताव नहीं करना चाहिये था। अब सवाल है कि जब किसी तरह की दिक्कत है तो लाखों रुपये लेकर मंच पर क्यों आ रहे हो और क्या परोस रहे हो? उत्तराखण्ड में तो महोत्सव के नाम पर खूब मजाक होने ही लगी है। हर कुछ कदम के बाद लगातार महोत्सव होने लगे हैं। इन महोत्सव का मतलब है कि बेढंगे नाचकूद हों, बाहर से हंगामा करने वालों को बुलाया जाए, कुमाउनी-गढ़वाली के नाम पर भी अधिकांश लारालप्पा देखा जा रहा है। लोकसंस्कृति इतनी मजाक हो गई कि जिधर से मन आये उधर से शुरू हो जाएं। इसमें अपना छौंका लगाने के लिये नेता और अधिकारी भी जुड़ चुके हैं। अच्छा लगता है जो जिस विधा का जानकार है, वह उस काम को करे क्योंकि वह सिद्ध भी करके दिखाएगा लेकिन यहाँ तो हर कोई अपनी-अपनी कलाकारी सार्वजनिक करने पर तुला है।

संगीत के तार साधना से जुड़े होते हैं और कभी भी घरानेदार कलाकार अनावश्यक जाने से बचता है, भले ही उसे किसी भी तरह की कठिनाई हो जाए। प्रदेश में जो पौराणिक व ऐतिहासिक मेले हुआ करते थे, उनमें अब स्वतःस्फूर्त आने वाले कलाकारों की उपेक्षा और दलाली कर बुलाए जाने वाले कतिपय कलाकारों का खेल देखा जा रहा है। आयोजक-प्रायोजक भीड़ जुटाने के लिये बलबल-छलछल करते चेहरों को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में दिलेर मेहंदी का बुलावा भी एक बात है। जब इस प्रकार के तमाशों को प्रोत्साहित किया जायेगा तो निश्चित रूप से लोक कला या शास्त्रीय कला सिमट कर रह जाएगी। मंच पर वह सब दिखाई देगा जिन्हें परोसने के लिये अधिष्ठित आयोजक-कलाकार मायापची कर रहे हैं।

इस बीच कलाकारी का भूतसवार युवा सोशल मीडिया पर परोसे जा रहे गीत-संगीत को अपनी उपलब्धि मान रहे हैं और लोकसंस्कृति के नाम पर फिन्सी अंदाज का ऐसा धोल दिखाना खूबी मान रहे हैं जो उनकी आँखों को सकून दे। इस पूरे मायाजाल में समाज को ग्लैमर का तड़का मिल रहा है बस। जबकि गीत-संगीत की आत्मा को समझने की दिशा में कार्य होने चाहिये जो युवाओं को जीवन-जगत के मर्म से जोड़ने का काम करता है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

770 करोड़ के रडार सेना के लिये

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना के लिये करीब 770 करोड़ रुपये की लागत से बेहतर क्षमता वाले हल्के रडार खरीदने का करार किया है। मंत्रालय ने बीईएल के साथ यह करार किया है।

सांसद ने गंवाए अपने दोनों पैर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेने हेन्स की योग्यता लैंड क्रूजर एसयूवी की चपेट में आने के बाद उनके दोनों पैर काटने पड़े हैं। उनके पति फिल हेन्स के अनुसार विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा शहर में सांसद के कार्यालय के बाहर हुई इस भयानक घटना के कारण उनके दोनों पैर काटने पड़े।

दिलेर की तारीफ में एकतरफा

देहरादून/मुम्बई। उत्तराखण्ड के नरेन्द्र नगर में मंच प्रदर्शन के लिये आए गायक दिलेर मेहंदी द्वारा अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति देने में जिस प्रकार की चूक हुई, उसी दौरान कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल द्वारा उन्हें भरी सभा में फटकार लगाने के बाद से बॉलीवुड के कई कलाकार दिलेर की तारीफ में एकतरफा आ चुके हैं। ऐसे में सीएम पुष्कर धामी ने कलाकारों से बातचीत कर उनकी भावना को जाना।



फसक

दाज्यू, संस्कृति के नाम पर धुरमण्ड मच रही ठैरी हिलते-हिलाते आयोजनों में साहब भी जोश से भर जाते हैं बल

दाज्यू, आजकल गाँव सूना दिखाई दे रहा है। दो-चार घरों में दीपावली के लिये तैयारी हो रही है। उधर बगल वाले कस्बे में महोत्सव का धुआँ उठ रहा है। जुवा कवि बरमाण्ड उठाते हुए सोशल मीडिया में प्रचार करने लगा है। दाज्यू, वैसे भी संस्कृति के नाम पर धुरमण्ड मच रही ठैरी। भोजपुरी-पंजाबी-राजस्थानी-गुजराती सबकुछ मिलाकर कचार सा बना दिया है शहर में। ऊपर से पहाड़ी गाजे-बाजे की टुट्टट को सफल आयोजन की संज्ञा दी जाने लगी है। तभी तो दिलेर मेहंदी आकर गा गया- 'साइड नाल रहोगे तो ऐश करोगे।' इस प्रकार के आयोजनों में साहब भी जोश से भर जाते हैं बल। दाज्यू, संस्कृति के नाम पर चुगला चरने वाले गैंग तैयार हैं। दिलेर मेहंदी पर सुबोध दा ने गुस्सा करना ही था। वह मंत्री ठैरी। उन्हें क्या पता था कि दिलेर पर बरसे तो ही मीका सिंह, रैपर बादशाह, कॉमिडियन कपिल शर्मा, अभिनेता अनुपम खेर, शिल्पा शेट्टी सहित कई दिलेर के पक्ष में बयान देने लगेंगे। दाज्यू, तभी तो कहते हैं- 'साइड नाल रहोगे तो.....। जिन्दगी के सारे मजे करने वालों के लिये कौतिकों की रंगत क्याप ठैरी। सबकी तुस्सी-मुस्सी चल रही है। चटकारे लेकर रोल बनाने वाले भी अपनी स्वाद बढ़ा रहे हैं बल।

दाज्यू, हमें तो सोमेश्वर विधानसभा की भी चिन्ता होने लगी है। रेखा आर्य की

परेशानी देख मन दहलने लगा था लेकिन वह पति गिराधारी की रिपोर्ट करवाकर अस्पताल में भर्ती होते हुए भी पत्रकार वार्ता करने लगी। इसके बाद हमें भरोसा हो गया है कि उन्हें तरक्की के रास्ते पर जाने से कोई नहीं रोक सकता। पुलिस को भी दीडभाग का काम मिल चुका है। उधर बरेली में एक भयंकर बंगले को लेकर हल्ला मचा हुआ है। एकड़ों में फैले इस महल पर पैसा किसने लगाया और कहाँ से आया, सवाल उठाये जा रहे हैं। दाज्यू, रेखा-गिराधारी जब साथ-साथ झुला झूलते रहे, किसको पता था कितने शहरों में कितनी जगह बंगले-कोठी बना डालेंगे।

सिक्किम का राज्यपाल बनते ही दुष्पन्त गौतम ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए कहा- 'जो मेरी छवि धूमिल कर रहे हैं, उन्हें अगाह कर रहा हूँ। मानहानी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करूंगा।' दाज्यू, पृथ्वी अपनी रफ्तार से घूम रही है उर्मिला सनावर से पृथताह हुई है बल। वह कह रही है- 'जिसने मेरा चौर हरण किया उन सबकी करतूत बताऊँगी।' अभिनेत्री उर्मिला को सीबीआई ने नोटिस देकर कोर्ट में पेशी की क्योंकि वह नाकों और पॉलीग्राफ टेस्ट के लिये पहले ही खुलकर बोल चुकी थी। दाज्यू, गजब ही हो रहा है इस मृत्युलोक में। उधर आरती गौड़ नाम की

महिला भी दबाव सोशल मीडिया बयान दे रही है। भावना पाण्डे की पूछो मत, धूम धड़ाका खूब हो रहा है। दाज्यू, सचिवालय में महिला अफसर से छेड़छाड़ में उपनल कर्मी की पिटाई हुई बल। साथ ही एक अधिकारी पर यौन शोषण के दूसरे आरोप की जाँच अलग से चल रही है। कैसी-कैसी धुरमण्ड मची है क्या जो बताएँ देहरादून के राजपुर थाणा क्षेत्र स्थित डोम गाँव में करोड़ों रुपये मूल्य की जमीनों की खरीद फरोख्त से जुड़े कथित धोरखाधड़ी और आराधिक साजिश के मामले में पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दूसरी ओर इसी थाणा क्षेत्र के कुठाल गेट स्थित पद्मश्री डॉ. योगी ऐरन के 'जंगल-मंगल' सम्पत्ति पर करीब पचास लोगों ने तोड़फोड़ की बल। ऐरन का कहना है- 'शहर की प्राइम लोकेशन पर स्थित इस सम्पत्ति पर कुछ लोगों की नजर है और वह इसकी हरियाली खत्म कर इसे कंक्रीट का जंगल के जंगल बदल सकते हैं।' दाज्यू, देहरादून के पटेल नगर की संस्कृति लोक कॉलॉनी में किराए के कमरे में सेक्स रैकेट चल रहा था बल। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर पकड़ कर ली। दाज्यू, बहुत गदर-गोल मची है। जोश के साथ होश तो होना ही चाहिये।

-तुहारा भुली झकरवा

गिराधारी-रेखा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

दबंगता की चर्चा होती रहती लेकिन समर्थनवान होने के कारण दोष होने का आरोप इनपर कौन लगाता? वर्तमान में जब इन दोनों के बीच ज्यादा ही खटपट हुई तो कई बातें सार्वजनिक हो रही हैं और यह भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बड़े घोटाले इन लोगों ने कैसे कर डाले? इन्हें किसका संरक्षण मिल गया? गिराधारी पप्पू के लिये कहा जाता है कि वह पहले से ही नटवर है। प्रॉपटी सम्बन्धी काम के लिये उसके पास टीम है जो बरेली सहित कई जगहों पर दबंगता से कारोबार करते रहे हैं। इसका मतलब रेखा और गिराधारी लाल साहू इन दोनों की ताकत मिलकर बहुत कुछ करती रही। धनबल पर सोमेश्वर विधान सभा सीट पर रेखा को विजयश्री मिली। कई जगह इनके ठिकाने हैं। अब तकरार के बाद पड़ताल हो रही है। पुलिस ने मंत्री के बयान दर्ज करने के बाद उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये साक्ष्यों (गिराधारी के बातचीत के रिकार्ड) को भी समझने में समय लगाना शुरू कर दिया है। मंत्री ने साहू पर धोखे से शादी, हत्या की

साजिश जैसे आरोप लगाए हैं। पुलिस ने जैसे ही बरेली सहित साहू की अड्डों पर दबिश दी वह फरार हो गये और उनका मोबाइल फोन भी बन्द हो गया। बताया जाता है कि रेखा ने उनके कई गोपनीय अड्डों के सुराग दिये थे और पुलिस ने दीडभाग की लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। अनुमान लगाया गया कि गिराधारी सीमा पर नेपाल भी भाग सकता है। सुरक्षा एजेंसियां सतर्क कर दी गईं। जाँच में जुटी एसआईटी अब रेखा-साहू की कम्पनी से जुड़े रिकार्ड तलाश रही है। प्रभारी जया बल्लोनी के नेतृत्व में टीम पड़ताल कर रही है कि क्या रेखा आर्य कम्पनी की निदेशक थी, क्या उनका नाम पप्पू गिराधारी ने फर्जी तरीके से हटाया, क्या पप्पू के साथ कोई अन्य महिला जुड़ी हुई है। मंत्री की ओर से पुलिस को दी गई ऑडियो की भी फॉरेंसिक जाँच होनी है। जिसमें साहू और एक महिला का बीच बातचीत की बात कही गई है।

रेखा-गिराधारी के मामले की उलझन देखते हुए भाजपा के नेता बचकर चल रहे हैं। सांसद अजय भट्ट ने कहा- यह पति-पत्नी का झगड़ा है। सीएम पुष्कर धामी ने कहा है- 'विवाह के 22 साल

बाद आरोप लगाना गलत है। किसी का भी नाम लेकर आरोप लगा देना मतलब वह दोषी नहीं हो जाता। इस मामले में जो भी सच्चाई होगी वह जाँच में सामने आ जाएगी।'

किताब कौतिक दून

देहरादून। 16वें देहरादून किताब कौतिक का भव्य आयोजन हुआ। पहाड़ की संस्कृति, साहित्य और ज्ञान परम्परा को बढ़ावा देने तथा युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र में किफ्टिव उत्तराखण्ड के तत्वावधान में पुस्तक मेले का तीन दिवसीय आयोजन था। मेले का उद्घाटन दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के संस्थापक प्रो.बी.के.जोशी, पद्मश्री बसन्ती बिष्ट, पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने की। मेले में देशभर के 75 प्रकाशकों की पुस्तकों के स्टाल सजे थे। इस दौरान साहित्य परिचर्चा, कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, बाल प्रहरी बाल लेखन कार्यशाला, करियर काउंसलिंग, विज्ञान कोना, कठपुतली निर्माण, बॉल पेंटिंग कार्यशाला भी की गई।

स्मृतियां**जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के वह दिन****चन्द्र सिंह लस्याल**

भारत सरकार समय-समय पर प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता के लिए सर्वे करते आया है। इससे पता चलता है कि प्राथमिक शिक्षा का स्तर औसत से कितना कम है, तभी उन जनपदों में यह कार्यक्रम चलाया जाता है। सर्वे में कई जनपदों के साथ जनपद पिथौरागढ़ का चयन भी हुआ। जनपद नैनीताल में यह कार्यक्रम



जगत सिंह मर्तोलिया
खण्ड शिक्षा अधिकारी



चन्द्र सिंह लस्याल
समन्वयक



कुन्दन सिंह टोलिया
ब्लाक प्रमुख

पाँच वर्ष पूर्व से ही चला आ रहा था। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिये काफी लम्बी चौड़ी व्यवस्था होनी थी। न्याय पंचायत स्तर से लेकर ब्लाक क्षेत्र व जनपद स्तर से राज्य स्तर तक व्यवस्था की जानी थी।

मेरे परम स्नेही निवर्तमान शिक्षा अधिकारी स्व. मोहन सिंह सयाना ने इस कार्यक्रम में कार्य किया था, अवगत कराया कि कार्य काफी जटिल व अटपटा है परन्तु तेरी काबिलियत को मैं बखूबी जानता हूँ, तुम इसे खुशी-खुशी सम्पन्न करा लो।

तब मैं घर के पास मुख्यालय का विद्यालय प्रा.तिकसेन में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत था। पढ़ा लिखा भी मात्र हाईस्कूल था। इस झंझट में पड़ना नहीं चाहता था। इसमें तो बीए, बीएससी, एमए, एमएससी उत्तीर्ण शिक्षकों से पढ़ा पड़ेगा। अधिकारियों का कठोर आदेश तथा जन प्रतिनिधियों का धौंस भी सहन करना पड़ेगा। अतः मैंने कोई रुचि नहीं रखी। आवेदन मांगे गये, साक्षात्कार हुए, यह सब कुछ भी न करने के बावजूद मेरा चयन ब्लाक समन्वयक पद पर कर दिया गया। मुझे पद स्वीकार करना पड़ा। साथ ही साक्षात्कार करने के उपरान्त विकासखण्ड में कुल नौ न्याय पंचायतों में समन्वयकों को नियुक्त चयन किया गया- क्रमशः लीलम में श्री कृष्ण लोहनी, दरकोट में मोहन सिंह भण्डारी, सेविला में उत्तम राम, मदकोट में विक्रम सिंह परिहार, सितौल में भीम सिंह मेहता, मडलकिया में गोविन्द सिंह राणा, क्वीटी में मनोज कुमार, नाचनी में विश्वम्भर दत्त पाठक तथा बासबागढ़ में बृजमोहन जोशी का चयन किया गया। मेरे साथ सहयोग के लिए बकायदा साक्षात्कार के तहत दो सह समन्वयक आनन्द बल्लभ पाण्डे व धाम सिंह दाऊ का भी चयन किया गया।

इस परियोजना में खण्ड शिक्षा अधिकारी पदेन सचिव तथा मा. प्रमुख पदेन अध्यक्ष कहलाये गये। परियोजना का कार्य बेहतर ढंग से चले एक वृहद रूप से परिवार फैलाया गया, एकमात्र लक्ष्य था शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना, प्रत्येक कार्यरत शिक्षक को वर्षभर में तीन दिवसीय, सात दिवसीय, दस दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया गया। आवासीय व्यवस्था, भोजन व्यवस्था की जाती थी। समय-समय पर अगनबाड़ी कार्यक्रमों को भी अनिवार्य रूप से तीन दिवसीय, पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता था।

प्रगति आख्या मासिक त्रैमासिक वार्षिक भेजनी पड़ी थी। विद्यालयों के अनुश्रवण, भ्रमण भी किये जाते थे, छात्रों को किस विषय एवं किस पाठ में कठिनाई आ रही हो, समन्वयकों द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी।

इस अवधि में उत्तराखण्ड राज्य में अल्प समय के लिए माननीय भगत सिंह कोश्यारी जी को मुख्यमंत्री का पद सम्भालना पड़ा, वे अपने में एक प्रचण्ड विद्वान् थे। सरस्वती शिशु मन्दिरों में उन्होंने काफी समय तक सेवा की थी। दूर दराज के गाँव घरों की प्राथमिक दशा की व दुर्दशा को भली भाँति समझते थे। अतः उन्होंने इस परियोजना में शिक्षामित्र, शिक्षा आचार्य की व्यवस्था के लिए आदेश जारी कर दिया ताकि गाँव का बेरोजगार शिक्षित युवक गाँव में ही पढ़ाएगा। कुछ शर्तें भी रख दी- 1. दो या दो से अधिक शिक्षक वाले विद्यालयों में शिक्षा मित्र की व्यवस्था न की जाए तथा बन्द विद्यालयों में भी व्यवस्था न हो। 2. अन्त्यर्था कम से कम इण्टर उत्तीर्ण हो। 3. ग्राम पंचायत के आरक्षण के आधार पर ही इनका भी आरक्षण हो। 4. ग्राम प्रधान के निकटवर्ती सगे सम्बन्धी का चयन न हो।

मैंने दूर-दराज का हवाला देकर जब-जब भी शिक्षार्थियों की स्वीकृति आयी, जितना सम्भव हो मुनस्यारी खींचते गया। आठ विकासखण्ड होने के उपरान्त मैंने एक तिहाई मुनस्यारी के लिये स्वीकृत करायें। अभी वर्तमान में 175 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। जो हल्का सा विभागीय शिक्षा उत्तीर्ण कर 55 से 60 हजार मासिक वेतन पा रहे हैं। यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि हुई। शिक्षा मित्रों से सम्बन्धित कुछ घटनाओं का भी स्मरण दिलाया हूँ। 1. साईपोलू में दो शिक्षक कार्यरत थे, गाँव का दूसरा विद्यालय साईधूरा दिखाराम दो शिक्षामित्र हालिस किये, 2. प्रा.खर्तौली में शिक्षा मित्र मिला ग्राम पंचायत का आरक्षण महिला थी, गाँव में एकमात्र एक आठवीं पास महिला मिली, हमने एक अच्छा सा डाफ्ट बनाया, हवाला दिया कि गाँव में एक ही आठवीं पास महिला मिली है भविष्य में भी अन्य महिलाओं का मिलना सम्भव नहीं है, नीमा महर नाम की महिला का प्रस्ताव बनाकर जिला परियोजना को भेजा गया कि यह अन्त्यर्था भविष्य में अपनी योग्यता बढ़ाएगी, मंजूर हो गया। आज वह नियमित शिक्षक बन गयी है, मालिक फौजी है, खुशहाल परिवार है। 3. प्रा. जैती में ग्राम प्रधान का सगा भाई त्रिलोककाम का चयन हुआ, मैंने प्रधान

जी को आराम से समझाया कि प्रथम गिरी मात्र 5 वर्ष की है, नौकरी का सवाल है आप भाई के भविष्य को देखते हुए प्रधान पद से त्यागपत्र दे दो, वे मुझ पर बिगड़ गये और मना कर दिया क्योंकि उन दिनों प्रधानों के खाते में राज्य सरकार व केंद्र सरकार से अनाप सनाप धन आता था, वे खर्च ही नहीं कर पाते थे। उन्होंने सोचा था कि आजम्न हर पर धन बरसता रहेगा। दूसरे अन्त्यर्था का चयन किया गया। आज भी जब कभी बहदुराम प्रधान जी मिलते हैं तो मुस्कुराते हैं शायद उन्हें चूक का अहसास हो गया था। 4. प्रा.भण्डारीगाँव में नारायणी देवी का चयन हुआ, कुछ साल बाद उनका विवाह मुनस्यारी मुख्यालय मल्लाधोरपट्टा के प्रधान विरेन्द्र सिंह वृजवाल से सम्पन्न हुआ। कुछ समय बाद प्रधान जी ने कहा कि नारायणी की नौकरी छुड़वा देते हैं क्योंकि उन्हें फुसत नहीं थी धनराशि खर्च करने की, जैसा कि प्रधान जैती का हवाला दिया था। मैंने प्रधान जी से कहा आपको तो कामधेनु मिली है, देर सेवर नौकरी पक्की समझो, ऐसी गलती मत करना। दुर्भाग्य से प्रधान जी किडनी की समस्या से कई वर्षों तक देहरादून में कमरा लेकर ईलाज कराते रहे, अन्त में दुनिया से चल बसे। दो सुपुत्र देहरादून में अच्छे कालेजों में अध्ययनरत हैं। जरा सोचिए यदि नौकरी छुड़ा दी होती तो आज क्या दशा होगी।

इसी प्रकार डीआईपी योजना ने एक प्रकार से राष्ट्रीय कार्यक्रम का रूप ले लिया था। समय-समय पर समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी, मा.अध्यक्ष जिला पंचायत, समस्त जिला पंचायत सदस्य, आठों ब्लाकों के मा.प्रमुख, अन्य जन प्रतिनिधि की भागीदारी रहती थी। एक मात्र लक्ष्य था प्राथमिक शिक्षा में सुधार लाना।

माननीय टोलिया प्रमुख जी का पिथौरागढ़ में कपड़े की दुकान थी, वे अक्सर घर जाते तो दुकान में बैठते थे। तल्ला जोहार यानी तेजम, नाचनी, क्वीटी व बासबागढ़ क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पिथौरागढ़ के बसिक्म से जाते तो वे दुकान में मिलते थे, जब योजना के तहत अपनी कुछ मांग रखते थे तो प्रमुख जी साफ साफ शब्दों में उन्हें समझाते कि लस्याल जी नियमों के तहत काम करते हैं। उनके प्रस्ताव पर मैं अध्यक्ष होने के नाते हस्ताक्षर करता हूँ, मेरा किस्सा प्रकर का कोई दबाव नहीं रहता है। फिर भी यदि आप चाहें तो उन्हीं से मिलें, सारी बातों की जानकारी मुझे रहती थी।

ज्योतिष की बातें 305

6 नवम्बर 2026 को शुक्र वक्र गति से चलते हुए वापस अपनी नीचराशि कन्या में प्रवेश करेगा। वहाँ पर पापग्रह शनि की दृष्टि भी होगी अतः शुक्र निर्बल रहेगा। फिर भी शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में अगले 16 दिन वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, मकर और कुम्भ राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा।

धरतेरस- कार्तिक कृष्णपक्ष त्रयोदशी प्रदोष व्यापिनी तिथि, तदनुसार शुक्रवारी 6 नवम्बर 2026 को धन त्रयोदशी (धनतेरस) का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन प्रदोषकाल में असामयिक मृत्यु के निवारणार्थ यम निमित्त दीपदान किया जाता है।

धन्वन्तरि जयन्ती- कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी तदनुसार शुक्रवारी 6 नवम्बर 2026 को आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वन्तरि का पूजन किया जाएगा। दीपावली- कार्तिक कृष्णपक्ष अमावस्या प्रदोष व्यापिनी तिथि में दीपावली का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार 8 नवम्बर 2026 को दीपावली पर दीपमालिका और महालक्ष्मी पूजन किया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा

ज्योतिर्विद एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार 186**रावण दहन का औचित्य**

प्रतिवर्ष दशहरा के समय रावण दहन के विरोध में सोशल मीडिया में बातें आने लगती हैं। इस सम्बन्ध में मेरा विचार निम्नवत् है-

विजयादशमी अर्थात् दशहरा का पर्व शास्त्रीय पर्व है, रावणदहन की बात एक अलग विषय है। यह त्यौहार नहीं है बल्कि रामलीला का ही एक प्रसंग है। पूरे देश में प्रतिपदा से विजयादशमी तक अथवा पूर्णिमा तक भगवान राम से सम्बन्धित लीलाओं का मंचन होता है। उन्हीं लीलाओं में एक रावणवध का भी प्रसंग आता है, बस। उसी रावणवध के प्रसंग में रावणदहन का मंचन किया जाता है। इसमें कहीं कोई घृणा आदि की बात नहीं है, यह सिर्फ नाट्यकला है। देश में रामलीलाओं का आयोजन कहीं पर चैत्र मास में होता है, कहीं अश्विन मास में होता है तो कहीं पर अपनी सुविधानुसार अन्य समयों पर भी होता है। लीलाओं के प्रसंग में रामजन्म, राम वनवास, रावणदहन और राम राज्याभिषेक का भी मंचन होता है। रावण दहन को विजयदशमी पर्व से जोड़ना या नवरात्रि से जोड़ना उचित नहीं है। इतना अवश्य है कि शास्त्रों के अनुसार इसी विजयदशमी के दिन भगवान राम ने रावण पर विजय पायी थी। रामलीलाओं का आयोजन पूरे देश में और दुनिया में दो चार सौ साल पहले से ही नहीं, बल्कि जब से भरत मुनि ने नाट्य शास्त्र का प्रवर्तन किया है अर्थात् लाखों वर्ष पहले, तभी से देश में रामलीला आदि नाटकों का मंचन होता आया है। प्राचीन संस्कृत साहित्य में भी सैकड़ों नाटकों का वर्णन पाया जाता है।

जब रामलीला का मंचन होगा तो उसमें रामजन्म, राम विवाह, लंकादहन, रावणवध, राम राज्याभिषेक आदि सभी लीलाओं का मंचन होगा। उस समय रावणदहन का मंचन क्यों नहीं होगा?

-ओंकार नाथ कोष्टा

लला जुसली की धरोहरों को संरक्षित करें

अल्मोड़ा/रानीखेत। दानवीरांगना लला जुसली बूढ़ी शौक्णणी की धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में जीर्णोद्धार समिति द्वारा बराबर पत्राचार व सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। इस सिलसिले में जुसली के बंशज फली सिंह दत्तल ने सम्पर्क करते हुए अल्मोड़ा जनपद के कतिपय धर्मशाला क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए सभी से इन ऐतिहासिक धरोहरों को

संरक्षित करने में योगदान देने की अपील की है। श्री दत्तल ने उन लोगों का आभार प्रकट किया है जो लला जुसली की प्राचीन धर्मशालाओं के महत्व को समझते हुए इन्हें बचाने में सहयोगी हैं। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों के सुरक्षित रहने से हम अपने इतिहास और संस्कृति को संरक्षित करने में सहयोगी बन सकते हैं।

हमने दूर-दराज के क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच बनाने के लिये कक्षा 1, 2 के लिये विद्या केंद्र खुलवाये, इन्हीं केंद्रों में छात्र संख्या बढ़ने पर मूल प्राथमिक विद्यालय खुलवाने में कामयाब रहे। साथ ही अनेक ध्वस्त विद्यालयों का पुनर्निर्माण भी करवाया, अपने विद्यालयों में शौचालय, पेयजल व चाहरदीवारी की सुविधा भी दिलवायी। कहने का मतलब यह कि हमने परियोजना का भरपूर लाभ उठाया।

ऐसा सुनहरा मौका न कभी आया न कभी आयेगा। मैं वर्ष 2008 में अपने पद से सेवामुक्त हो गया था। इस बीच मेरे दोनों अग्रणी ब्लाक प्रमुख कुन्दन

सिंह टोलिया जी तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी जगत सिंह मर्तोलिया जी अल्प आयु में ही हमें छोड़कर दुनिया से चल पड़े, हमें बड़ा कष्ट हुआ बड़ा आघात पहुँचा, क्या करें सब ऊपर वाले की माया है।

शिक्षा जगत में इन दोनों का योगदान रहा है, पिपलता हिमालय पत्र के माध्यम से जन-जन तक उनका स्मरण करते हुए स्मृतियों को साझा कर रहा हूँ। ईश्वर उन महान आत्माओं को सुखी रखें।

ऊँ शान्ति।

(चन्द्रसिंह। शौका निवास, मुनस्यारी। हाल निवासी छड़ायल सुयाल, हल्द्वानी)

बगवालीपोखर में मेले की तैयारी जोरों पर

द्वाराहाट। बगवाई मेला समिति द्वारा बगवाली पोखर में 11 नवम्बर से मेले की तैयारी पर जोरों पर है। मेला समिति के अध्यक्ष सुबेदार मेजर हरीश सिंह भण्डारी ने बताया है कि इस आयोजन में सीएम पुष्कर सिंह धामी भी प्रतिभाग करेंगे।

कृष्णापुर में अस्थायी दोपहिया मार्ग

नैनीताल। बलियानाला क्षेत्र के समीप स्थित कृष्णापुर के निवासियों को राहत देने के लिये प्रशासन ने अस्थायी दोपहिया मार्ग बनाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सुरक्षा रेलिंग और आरसीसी पेवमेंट के साथ वन-वे मार्ग तैयार करने का कार्य होगा। साथ ही छोटे चारपहिया वाहनों के लिये वैकल्पिक मार्ग की सम्भावनाएं भी तलाशी जाएंगी।

कृष्णापुर के निवासियों की नैनीताल रोड तक पहुंच मार्ग की मांग लम्बे समय से जारी थी। प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने बलियानाला उपचार कार्य के लिये गठित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कमेटी से मार्ग की व्यावहार्यता का आकलन कराया।

गोलज्यू महोत्सव

अल्मोड़ा। संस्कार सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण समिति द्वारा सात दिवसीय जय गोलज्यू महोत्सव का आयोजन किया गया। मल्ला महल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारम्भ कलश यात्रा से किया गया। इसमें ऐषण प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, स्कूली बच्चों की प्रतियोगिता के अलावा मंचीय प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया गया।



परिक्रमा

फचैज्क

गणेश पाण्डेय

छपि गोछ सबै अखबारन में, स्यैणि बैगकि लडै झगड् यां जे खाब में औं कै दिनी उं, आपसै में हुण लागी क्वां क्वां आपसै में हुण लागी क्वां क्वां, झगड् क्वे य मामुली न्हतन स्योणि उत्तराखण्ड में तुलि मंत्री, बैग रूछ कथप बरलि पन को लंगुं आपणि छल कैं घाम, यस हुनै रूछ सबै घरन में घर भितकर तनर कज्जी आव, छपि गोछ सबै अखबारन में।

संकल्प आदर्श चम्पावत की दिशा में

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र में संकल्प आदर्श चम्पावत की दिशा में लगातार कार्यों का सिलसिला देखा जा रहा है। इस दिशा में बालेश्वर वार्ड में प्रस्तावित चिल्ड्रन पार्क में झुले, पाथवे एवं सोलर लाइट का सुविधा प्रस्तावित है। 13.85

करोड़ की लागत से आधुनिक तहसील परिसर का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। मूलाकोट में दीवार सहित इंटरलॉकिंग टाइल्स मार्ग निर्माण के लिए 46.46 लाख रुपये स्वीकृति हुए हैं। इसी प्रकार पूर्णांगरी धाम में सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सेलागांव में बहुउद्देशीय

प्रशासनिक भवन का प्रस्ताव है। यह 8.54 करोड़ की परियोजना है। इसके अलावा सीएम का बराबर क्षेत्र में भ्रमण व प्रशासन द्वारा लगातार किये जा रहे शिविरों के द्वारा जनता के बीच हलचल मची हुई है। सीएम का दावा है कि पर्यटन के रूप में जिला विकसित हो रहा है।

बैकुंठ चतुर्दशी मेला

श्रीनगर। ऐतिहासिक बैकुंठ चतुर्दशी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झड़ी देखी गई। मेले में पारम्परिक परिधान और लोक संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में नगर निगम श्रीनगर सक्रिय था। नगर आयुक्त नूपुर वर्मा, महापौर आरती भण्डारी, पार्षदों सहित जनप्रतिनिधियों ने इसमें बढ़चढ़ कर भागीदारी की।

लड़ीधूरा महोत्सव

चम्पावत। बाराकोट के लड़ीधूरा महोत्सव में परम्परा का समागम हुआ। पं.श्रीशराम ने वैदिक मन्त्रोक्त के साथ पूजन सम्पन्न करवाया। कलशयात्रा में बाराकोट, पन्दा, खोलासुनार काकड़ सहित विभिन्न ग्रामों से लोगों ने भागीदारी की। 6 दिवसीय आयोजन में सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं के अलावा मंचीय प्रदर्शन हुआ।

कुमाऊं द्वार महोत्सव

हल्द्वानी। शहर में कुमाऊं द्वार महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें मंचीय प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के साथ ही विभिन्न प्रकार के स्टालों का प्रदर्शन किया गया। गोविंद दिगारी इसके मुख्य आयोजक थे और उन्होंने अपनी बोली भाषा व लोकसंगीत को सम्मान देने की दिशा में इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

गोपेश्वर शरदोत्सव

गोपेश्वर। हिमवत कवि चन्द्र कुंवर बर्वाला खादी ग्रामोद्योग एवं शरदोत्सव मेले का शुभारम्भ सैन। चिकित्साधि कारी डॉ.वृजमोहन खाली, राज्य महिला आयोग सदस्य वत्सला सती, पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह भण्डारी ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के तहत परम्परागत झुमैलो नृत्य का आकर्षण रहा। मेले में स्टालों की भरमार थी।

पवासी देवता पालकी

विकासनगर। पवासी देवता की पालकी 5 दिन के प्रवास के बाद हिमाचल प्रदेश के बौहलाड गांव के लिये रवाना हुई। इस दौरान भक्तों ने जगह-जगह देवता की पालकी का भव्य स्वागत किया। पवासी देवता के बजीर जयपाल पंवार ने बताया कि देवता की पालकी 5 दिन के लिये हिमाचल प्रदेश में अपने भक्तों को आशीर्वाद देगी।

इको एडवेंचर पार्क

पौड़ी। जिला मुख्यालय स्थित इको एडवेंचर पार्क को एक नवाचारी पर्यटन के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिला योजना के माध्यम से पार्क को साहसिक पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में स्थापित करने के साथ ही यहाँ पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों के लिये आधुनिक जन सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। डीएम स्वाति एस भदौरिया ने इसका निरीक्षण किया।

कांग्रेस ने न्याय यात्रा कर सवाल उठाए

देहरादून। प्रदेश के जन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने न्याय यात्रा कर सवाल उठाए हैं। बदरीनाथ धाम और अल्मोड़ा के गोलज्यू मन्दिर से यात्रा की शुरुआत करते हुए पार्टी के बड़े नेताओं ने प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार पर विफलताओं का आरोप लगाया। कहा इसके राज में महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस यात्रा को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी जोश दिखाई दिया।

भाजपा का अभियान भी जारी

देहरादून। कांग्रेस की न्याय यात्रा देखते हुए भाजपा ने भी अपना अभियान शुरू कर दिया, जिसका नाम 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' रखा। सीएम पुष्कर धामी ने कांग्रेस पर लोकतंत्र की गरिमा को नुकसान पहुंचाने और जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी की पदयात्रा श्रीनगर से शुरू हो चुकी है। प्रदेश के सभी जिलों में इसके तहत आयोजन तय हैं।

यूकेडी की यात्रा में जल-जंगल-जमीन

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल ने अपनी यात्रा में फिर से जल-जंगल-जमीन के मामलों को उठाते हुए कहा है कि राष्ट्रीय पार्टियां वोट बदोने के लिये इस प्रदेश को कुचल रही हैं। दल के शीर्ष नेता काशी सिंह ऐरी, नारायण सिंह जन्तवाल, पुष्पेश त्रिपाठी सहित तमाम नेताओं ने हल्द्वानी में सभा सम्बोधित की।

विधानसभा चुनाव के लिये अपने दावे और टिकट के लिये जोड़-तोड़ तेज

उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव के लिये जैसे-जैसे समय निकट आ रहा है नेताओं में सर्राहट बढ़ने लगी है। पार्टी के टिकट के लिये जोड़-तोड़ और अपने दावे करते हुए नेता खुलने लगे हैं।

गंगोलीहाट सीट पर भाजपा की ओर डॉ.भीम कुमार इस समय सर्वाधिक चर्चित हो चुके हैं। जिस प्रकार से वह तैयारी कर रहे हैं, उसे देख अनुमान है कि उन्हें कुछ तो आश्वासन है ही। भाजपा से टिकट के लिये विधायक सहित लम्बी सूची है। इस बीच पुंनराऊ घाटी से दिनेश आर्य ने जिस प्रकार से अपनी बात रख है उसे देख लग रहा है कि वह चुप तो रहेंगे नहीं। जिला पंचायत चुनाव में उनकी पत्नी को पार्टी टिकट न मिलने पर भी उन्होंने निर्दलीय रूप में अपनी ताकत दिखाते हुए जीत अर्जित की थी।

लोहाघाट सीट पर भाजपा के पूर्व विधायक पूरन फर्त्याल को टिकट मिलेगा या नहीं यह उनकी चाल पर निर्भर करता है क्योंकि बीच-बीच में उनके तेवर से पार्टी के भीतर हलचल रही है। इस बीच मोहन सिंह ढेक द्वारा दमदार तरीके से ताल ठोकने के बाद वह काफी प्रभावशाली तरीके से जनता के सामने हैं और भाजपा की टिकट सूची में उनकी चर्चा है।

बीजेपी छोड़ रामशरण नौटियाल ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। बालीबुड गायक जुबिन नौटियाल के पिता रामशरण



- रामशरण नौटियाल ने थामा कांग्रेस का हाथ, चकराता में उथल-पुथल
- पूर्व विधायक यशपाल बेनाम ने भाजपा से किया अपने को किनारे
- गंगोलीहाट सीट पर ताल ठोक रहे हैं दिनेश आर्य चुप तो रहेंगे नहीं
- लोहाघाट से मोहन सिंह ढेक की ताल और पूरन फर्त्याल की चाल
- सीतारगंज सीट पर नवतेज पाल सिंह नारायण के लिये कांटा बन चुके
- भीमताल सीट पर मोहन पाल टिकट लाइन में, अजय पाल भी तैयार
- सोमेश्वर सीट पर नये समीकरणों के साथ टिकट की मांग होने लगी

को भाजपा ने चकराता सीट से चुनाव मैदान में उतारा था जिन्हें प्रीतम सिंह हराया था। अब चर्चा है कि वह विकासनगर से चुनाव लड़ेंगे।

यशपाल बेनाम ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर अपने को अलग कर लिया है। पौड़ी

विधानसभा सीट से पूर्व विधायक और पौड़ी नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके यशपाल ने आठ साल बीजेपी में रहने के बाद इस पार्टी में अपने को घुटन बताई। कहा वह उत्तराखण्ड आन्दोलनकारी भी हैं और निर्दलीय जनता ने उन्हें अवसर दिया था।

सितारगंज सीट पर भाजपा के वर्तमान विधायक और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं और सक्रिय हैं लेकिन उन्हें मात देने का संकल्प लिये नारायण पाल कांग्रेस से टिकट के प्रबल दावेदार हैं लेकिन पिछले चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी और उपविजेता

रहे नवतेज पाल सिंह टिकट की दावेदारी करते हुए नारायण के लिये कांटा बन चुके हैं। नारायण पाल पहले बसपा के टिकट पर इस सीट से विधायक रह चुके हैं और धनबल के साथ इस बार कांग्रेस टिकट मौका बनाने को आतुर हैं।

भीमताल सीट पर दिन पर दिन रोचकता बढ़ती जा रही है। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिये लम्बी सूची है लेकिन मुख्य रूप से लाखन नेगी और हरीश पनेरू हैं। भाजपा की ओर से कबीना मंत्री राम सिंह कैड़ा की एकतरफा धमक दिख रही है लेकिन पूर्व में भाजपा टिकट पर चुनाव लड़ चुके मोहन पाल की चर्चा भी कम नहीं है। सोमेश्वर विधानसभा सीट पर नये समीकरणों के साथ पार्टी टिकट की मांग होने लगी है। मंत्री रेखा आर्य पर उनके पति गिरधारी लाल उर्फ पप्पू द्वारा 210 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद कांग्रेस ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया है। पक्ष-विपक्ष दोनों ओर से बात उठी है कि महिला होने के नाते वह रेखा आर्य की ओर से हैं लेकिन जब भ्रष्टाचार का आरोप है तो उसकी जाँच की मांग तेज है। ऐसे में सोमेश्वर सीट पर टिकट लाइन भाजपा कांग्रेस दोनों ओर से है। इस बीच हल्द्वानी के पाल परिवार के डॉ. अजय पाल का नाम कांग्रेस से टिकट हेतु चर्चा में सुनाई दे रहा है।

गंगोलीहाट में पर्यटकों की आवाजाही सुगम करने की दिशा में कदम उठाए जाने जरूरी हैं

गिरीश चन्द्र उग्रेती

गंगोलीहाट/वेहरादून। गंगोली क्षेत्र गंगोली महाकाली दरबार सहित ऐतिहासिक व पौराणिक मान्यताओं के लिये जाना जाता है लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा इसके विकास में धीमी चाल आम जनता को सोचने पर मजबूर कर रही है। क्षेत्र के ज्वलन्त मुद्दों को लेकर बार-बार चेतना जाता रहा है परन्तु राजनीति की बलि चढ़कर सबकुछ बेलगाम दिखाई दे रहा है। क्षेत्र के विकास को लेकर सीएम व सड़क परिवहन मंत्री को पुनः इससे अवगत कराया गया है। उम्मीद की जानी चाहिये कि पर्यटकों की आवाजाही सुगम करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इसके लिये सबसे पहले एनएच 309ए का चौड़ीकरण के टेण्डर शीघ्र डलवाए जाने चाहिए।

कोठेरा में बहने वाली मानसखण्ड में वर्णित निम्नोत्तरी नदी के झरने को विकसित कर उसमें नौकायन सहित रोजगार के अन्य साधन विकसित करने होंगे। डिग्री कालेज रोड वाया कुन्जपुर को नए भवन तक संयोजित किया जाना

- एनएच चौड़ीकरण का टेंडर डलवाएं
- डिग्री कालेज रोड नए भवन तक संयोजित हो
- करतेश्वर व मड़केश्वर को भी शामिल करें
- कोठेरा में झरने को विकसित करना होगा
- गंगोलीहाट में बायपास समय की जरूरत
- चण्डिका घाट में पुल निर्माण का टेंडर हो

चाहिये ताकि बच्चों की पहुंच सुगम हो। शहर के विस्तारीकरण के अलावा क्षेत्र के महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय के साथ रोजगारपरक विषय शुरू करवाने चाहिये।

देश-दुनिया के लिये विख्यात महाकाली मन्दिर के साथ मानसखण्ड परियोजना में

करतेश्वर और मड़केश्वर को भी अनिवार्य रूप से जोड़ा जाना चाहिये। इन मन्दिरों का आपसी जुड़ाव है।

क्षेत्र के विकास के लिये गंगोलीहाट में बायपास होना जरूरी है। साथ ही संग्राहाट, आंवलाघाट, चण्डिकाघाट में शीघ्र पुल निर्माण के टेण्डर कर कार्य पूर्ण होना चाहिये। राज्य सरकार की छवि बेहतर बनाने के लिये विधानसभा में बन रही चारों पेयजल लिफ्ट योजनाओं को जांच स्वतन्त्र विभाग से करवाते हुए दोषियों को सजा मिलनी चाहिये। यदि इस दिशा में सरकार सख्ती से कदम उठाती है तो इसका लाभ जनता उसे चुनाव में देगी।

देश के सड़क परिवहन एवं राज्यमंत्री अजय टट्टा ने इस सम्बन्ध में आश्वासन तो दिया है लेकिन इसमें कोई सुध अभी तक नहीं ली गई है। यही सवाल मुख्य मंत्री श्री धामी से भी है कि वह गंगावली के मामलों पर अमल करें।

अंकिता हत्याकाण्ड पर तूफान मचा है

उर्मिला की दहाड़ से बहुत हलचल, कई राज खुलेंगे

- वीआईपी के नाम को लेकर चर्चाएं गर्म
- पूर्व विधायक सुरेश राठौर देंगे सहयोग
- सनावर ने कहा- नार्को टेस्ट उगलेगा राज

अपने बचाव को लेकर कोर्ट में आए और जाँच में सहयोग की बात कही। उर्मिला सुरेश राठौर के कथित ऑडियो सुनाते हुए दावा करती रही है कि दुष्पन्त गौतम और बी.एल.सन्तोष उनसे जुड़े रहे हैं। वह वननरा रिसॉर्ट गिराने में आरती गौड़ पर आरोप लगाती हैं। बताते चलें कि उत्तराखण्ड के अंकिता हत्याकाण्ड मामले को लेकर बराबर सियासत गरमाई हुई है। दिसम्बर 2025 में पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला के बीच बातचीत के कथित ऑडियो वीडियो वायरल होने से इस प्रकरण की जड़ होने की आशंका है।

अपने बचाव को लेकर कोर्ट में आए और जाँच में सहयोग की बात कही। उर्मिला सुरेश राठौर के कथित ऑडियो सुनाते हुए दावा करती रही है कि दुष्पन्त गौतम और बी.एल.सन्तोष उनसे जुड़े रहे हैं। वह वननरा रिसॉर्ट गिराने में आरती गौड़ पर आरोप लगाती हैं। बताते चलें कि उत्तराखण्ड के अंकिता हत्याकाण्ड मामले को लेकर बराबर सियासत गरमाई हुई है। दिसम्बर 2025 में पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला के बीच बातचीत के कथित ऑडियो वीडियो वायरल होने से इस प्रकरण की जड़ होने की आशंका है।

गोकुल सिंह बृजवाल मेमोरियल सोसायटी गंगोरीसेन तल्ला दुम्बर की संगोष्ठी, मेधावियों को छात्रवृत्ति वितरण



मुनस्यारी। गोकुल सिंह बृजवाल मेमोरियल सोसायटी गंगोरीसेन तल्ला दुम्बर द्वारा सीमान्त क्षेत्र भारत-चीन सीमा के अन्तिम गाँव, विद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बुँडे तथा रा.प्रा.वि. बुँडे मुनस्यारी के दोनों विधायकों में अलग-अलग समयानुसार निर्धारित कार्यक्रम तथा संगोष्ठी की गई। संगठन के मुख्य उद्देश्य, विन्दुओं को ध्यान में रखते चर्चा-परिचर्चा से पूर्व माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित तथा बच्चों द्वारा ईश वन्दना से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। अतिथियों का स्वागत करते विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष बहादुर सिंह ने अपने सम्भाषण में संगठन के उद्देश्य, शिक्षा का महत्व कार्य योजना की सराहना करते हुए सोसायटी को शुभकामनाएं दी। रा.उच्च माध्यमिक विद्यालय बुँडे के प्रधानाचार्य अमित नौटियाल एवं सभी प्रबुद्ध गुरुजनों ने अपने अपने विचारों से अवगत कराते हुए शिक्षा का जीवन में महत्व पर अपने विचार भी प्रकट किए। रा.प्रा.वि. बुँडे मुनस्यारी में भी यथावत कार्यक्रम प्रधानाध्यापक जगदीश सिंह रलम्वाल, ग्राम प्रधान बाला सिंह रलम्वाल, वि. प्रबन्धन अध्यक्ष महिमन सिंह, स. अध्यापक नेत्र सिंह रलम्वाल ने अपने विचारों से सभा में उपस्थित लोगों को शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि रखते संगठन के भविष्य की कार्य योजना की भी सराहना की। दोनों विद्यालयों के मेधावी छात्र/छात्राओं

को कक्षोन्नति वर्ष-2026 के लिए छात्रवृत्ति वितरण किया गया, अन्य आवश्यक सामग्री भी प्राप्त कराए गए। सोसायटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह बृजवाल, उपाध्यक्ष केंदर सिंह बृजवाल ने सोसायटी के अन्य महत्वपूर्ण विन्दु बालिका शिक्षा प्रोत्साहन, पहाड़ से पलायन पर राहरी चिन्ता व्यक्त करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान पर जोरदार वक्तव्य दिया। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार हेतु स्थानीय संसाधनों को तकनीकी उपयोगिता की ओर ध्यानाकृष्ट किया, शिक्षा को जीवनमुक्त, जीवनोपयोगी, समाजोपयोगी, व्यक्ति निर्माण, चरित्र निर्माण, राष्ट्रनिर्माण उत्तरदायित्व की भावना लोगों में समझ रखने के भाव विकसित किये जाने की बात कही।

को कक्षोन्नति वर्ष-2026 के लिए छात्रवृत्ति वितरण किया गया, अन्य आवश्यक सामग्री भी प्राप्त कराए गए। सोसायटी के अध्यक्ष जगदीश सिंह बृजवाल, उपाध्यक्ष केंदर सिंह बृजवाल ने सोसायटी के अन्य महत्वपूर्ण विन्दु बालिका शिक्षा प्रोत्साहन, पहाड़ से पलायन पर राहरी चिन्ता व्यक्त करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान पर जोरदार वक्तव्य दिया। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार हेतु स्थानीय संसाधनों को तकनीकी उपयोगिता की ओर ध्यानाकृष्ट किया, शिक्षा को जीवनमुक्त, जीवनोपयोगी, समाजोपयोगी, व्यक्ति निर्माण, चरित्र निर्माण, राष्ट्रनिर्माण उत्तरदायित्व की भावना लोगों में समझ रखने के भाव विकसित किये जाने की बात कही।

सुरेश मेडिकल स्टोर

नियर- टैक्सी स्टैंड
मदकोट रोड
मुनस्यारी

मो.- 8077929044, 9756822576

**HIMALAYAN
MUNSYARI STORE**

Johar Nagar, Bhotia Padav,
Haldwani

(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)

मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

मिलम बेक हाउस (नियर- टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुनस्यारी



सम्पर्क- 8941807388

पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर। हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक। आपके लिये लेकर आया है ताजे स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।



हरि

स्मारक

समिति

के

मल्ला

दुम्बर

में

आयोजित

हरि

प्रदर्शनी

आयोजन

की

हार्दिक

शुभकामनाओं

के साथ-



श्रीमती दमयन्ती जंगपांगी

सुरभि कालौनी, फैस-2
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

गंगा सिंह मर्तोलिया

जीवनपुर, विठौरिया नं. 1
हल्द्वानी

नरेन्द्र सिंह जंगपांगी

लक्ष्मी विहार, मल्ली बमोरी
दोनहरिया, भोटिया पड़ाव,
हल्द्वानी

प्रेम सिंह मर्तोलिया

प्रेम कुंज, फ्रेंड कलोनी, दोनहरिया
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

हल्द्वानी में तुमार अपण आँखक अस्पताल।

जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज

अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और
सभी स्वास्थ्य बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है



**शुभानु आँखों का
अस्पताल**

अधिक जानकारी के लिए इन नंबर पर संपर्क करें

90681 77738, 9997780135

कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाइंस, हल्द्वानी

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiri

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चौकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats मो. 9458920379

APNA GHAR 6396098804

चौकोड़ी YOGA
MEDITATION

HOTEL RESTRO BANQUET HOMELY

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग FOOD

देव, पातालभुवनेश्वर) LIVE

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी MUSIC

स्व. जोगासिंह मर्तोलिया BIRTHDAY
WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल

आर्डर सप्लायर्स

फोन सम्पर्क- मो.- 8958525979,

05961-222236 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

नरेन्द्र सिंह रावत

सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम,
सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं
शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से
मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/मोबाइल

9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com